

स्त्री मनोरक्षा प्रशिक्षण

परामर्श में नैतिक सिद्धांत और मुद्दे



सीखने के मकसद

- ❑ नैतिकता के महत्व को समझने के लिए
- ❑ परामर्श के विभिन्न नैतिक स्तंभों और इसकी प्रक्रिया पर चर्चा करना
- ❑ गोपनीयता और इसकी सीमाओं के नैतिक महत्व को स्वीकार करने के लिए
- ❑ परामर्श में सामान्य नैतिक मुद्दों को प्रदर्शित करना



सीखने के मकसद

- ट्रांसफरेन्स की अवधारणा और उसके संकेतकों को समझने के लिए
- परामर्शदाता में काउंटर ट्रांसफरेन्स प्रतिक्रियाओं को पहचानने के लिए



परामर्श में नैतिक सिद्धांत

- हिंसा का सामना करने वाली महिलाओं के साथ काम करना कई नैतिक दुविधाओं से भरा होता है।
- नैतिक मानकों को बनाए रखना किसी भी संगठन के कल्याण के साथ-साथ व्यक्ति के विकास में योगदान देता है।



परामर्श में नैतिक सिद्धांत...

हमारी नैतिकता हमारा मार्गदर्शन करती है -

- निर्णय लेने और उनकी मान्यताओं और इच्छाओं के अनुसार कार्य करने के प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार का सम्मान करना और पहचानना
- क्लाइंट को लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता बनाने के लिए
- जानबूझकर दूसरों को नुकसान नहीं पहुंचाना
- समाज के भीतर सेवाओं का उचित वितरण

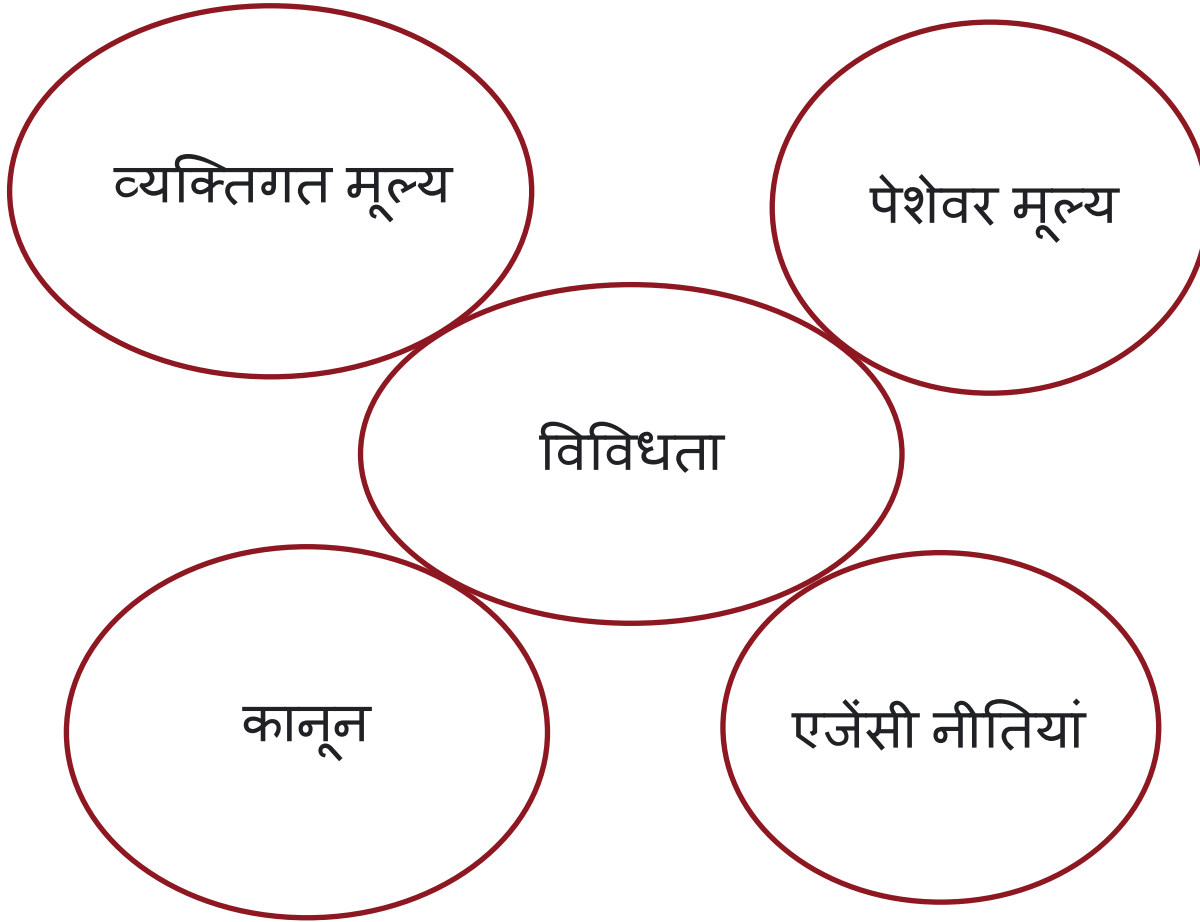


परामर्श में नैतिक सिद्धांत...

- यह काउंसलर को निम्नलिखित में अंतर करने में मदद करता है:
 - मित्रवत बनाम : मित्र होना
 - क्लाइंट के साथ रहना : क्लाइंट नहीं बनना।
- यह "बचावकर्ता" भूमिकाओं से बचने में मदद करता है जैसे प्रायोजन प्रदान करना, उन्हें पैसे उधार देना, बच्चे की देखभाल में क्लाइंट की सहायता करना आदि।



नैतिक दुविधा



परामर्श में नैतिक सिद्धांत

परामर्श के मुख्य नैतिक सिद्धांत	परामर्श का अभिन्न अंग
<ul style="list-style-type: none">● उपकार● गैर-नुकसान● स्वायत्तता● न्याय	<ul style="list-style-type: none">● गोपनीयता● भरोसेमंद होना● धैर्य● वास्तविक होना● बिना शर्त सकारात्मक संबंध● पेशेवर जिम्मेदारी

परामर्श के मुख्य नैतिक सिद्धांत



उपकार

- लाभ का तात्पर्य ग्राहक के सर्वोत्तम हित के लिए कार्य करना है
- पर्याप्त प्रशिक्षण, अनुभव और पर्यवेक्षित अभ्यास के आधार पर सेवाएं प्रदान करना
- क्षमता की सीमा को समझना

उपकार...

- उन ग्राहकों को सेवा प्रदान करना जिनकी स्वायत्तता और निर्णय लेने की क्षमता पहले से मौजूद संवेदी और बौद्धिक अक्षमता के कारण कम हो गई है
- इसके अतिरिक्त वे अत्यधिक संकट, गंभीर परेशानी या अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तिगत बाधाओं में हैं।

स्वायत्तता

- परामर्शदाताओं को क्लाइंट की उसके ऊपर निर्भरता को कम करने और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है
- ग्राहक की आत्म-निर्देशन की क्षमता का सम्मान करें और उसे स्वीकार करें - ग्राहक नियंत्रण में है और स्वयं के लिए आवश्यकतानुसार निर्णय ले सकता है और कार्य कर सकता है
- ग्राहक की आवश्यकताओं/इच्छाओं के अनुसार कार्य करना (दूसरों की इच्छाओं/आवश्यकताओं का पालन करने के बजाय)

स्वायत्तता...

- परामर्शदाताओं को क्लाइंट पर जानबूझकर या अनजाने में अपने विचार नहीं थोपने चाहिए।
- किसी भी बिंदु पर परामर्श को अस्वीकार करने, बंद करने या फिर से शुरू करने के ग्राहक के अधिकार का सम्मान करना।

गैर-नुकसान

- "सबसे ऊपर होता है कोई नुकसान नहीं" - ग्राहक को नुकसान नहीं पहुंचाना
- यौन, भावनात्मक, वित्तीय या किसी भी प्रकार के शोषण से बचना
- यदि आप बीमारी, व्यक्तिगत परिस्थितियों या नशे के कारण ऐसा करने के लिए अयोग्य हैं तो ऐसा होने पर सेवाएं प्रदान नहीं करना

न्याय

- ❑ एक काउंसलर निष्पक्ष होना चाहिए और जाति, वर्ग, वैवाहिक स्थिति, यौन अभिविन्यास, धर्म, विकलांगता आदि के आधार पर उसे भेदभाव नहीं करना चाहिए।
- ❑ अवसर और सेवाओं की समानता के लिए प्रतिबद्ध
- ❑ मानवाधिकारों और सम्मान का सम्मान

न्याय...

- ❑ हर क्लाइंट अलग है; हर क्लाइंट के लिए समान समाधान नहीं हो सकता है।
- ❑ संभावित क्लाइंट्स की जरूरतों के लिए सुलभ और उपयुक्त सेवाओं का उचित प्रावधान ।

परामर्श के अभिन्न अंग



गोपनीयता

उसकी गोपनीयता और निजता का सम्मान करें

- ❑ सुनिश्चित करें कि आप महिला की गोपनीयता की रक्षा करते हैं
- ❑ परामर्शदाताओं को अपने क्लाइंट्स के बारे में किसी को भी जानकारी नहीं देनी चाहिए
- ❑ उसकी कहानी पर किसी के साथ चर्चा न करें जब तक कि यह उसकी सहमति से और उसके हित में न हो ।

गोपनीयता...

□ भंडारण:

- सभी औपचारिक और अनौपचारिक आदान-प्रदान
- लिखित रिपोर्ट और केस रिकॉर्ड

□ साझा करना:

परिवार के सदस्यों और पेशेवरों को जानकारी साझा करना - केवल ग्राहक की सहमति से किया जा सकता है

- ## □ सुरक्षा: संग्रहीत जानकारी की सुरक्षा, चाहे वह भौतिक या इलेक्ट्रॉनिक रूप में हो।

गोपनीयता...

- केवल महिला की सहमति से आईपीवी/जीबीवी से संबंधित किसी भी मुद्दे का खुलासा करें
- खुलासा करने के पक्ष और विपक्ष को देखने और एक सोचा समझा निर्णय लेने में उसकी सहायता करें
- अन्य पेशेवरों, रेफरल एजेंसियों या यहां तक कि परिवार के सदस्यों को आईपीवी/जीबीवी का खुलासा करते समय विवेक का प्रयोग करें

हम गोपनीयता कब तोड़ सकते हैं?

- जब एक क्लाइंट को खुद को नुकसान पहुंचाने का जोखिम होता है (आत्मघाती विचार / व्यवहार)
- जब एक क्लाइंट को दूसरों को नुकसान पहुंचाने का जोखिम होता है
- बाल शोषण या उपेक्षा के मामलों में
- जब (वल्नरेबल)कमजोर वयस्कों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा हो (जैसे बौद्धिक अक्षमता वाला व्यक्ति, संवेदी दुर्बलता)

हम गोपनीयता कब तोड़ सकते हैं?...

- अदालत द्वारा आदेशित मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन के दौरान
- अस्पताल में अनैच्छिक भर्ती के उद्देश्य से
- जब कोई मुवक्किल कानूनी कार्यवाही में मानसिक स्थिति का मुद्दा उठाता है

भरोसेमंद होना (निष्ठा)

- एक भरोसेमंद और चिकित्सीय वातावरण धोखे और शोषण के बिना बनाया जाता है।
 - काउंसलर पर बनाये गए भरोसे का सम्मान करें।
 - क्लाइंट के बारे में गोपनीय जानकारी के किसी भी प्रकटीकरण को प्रतिबंधित करना
 - फीस के बारे में पारदर्शिता

धैर्य

- ❑ धैर्य रखने का अर्थ है अत्यधिक नकारात्मक भावनाओं का अनुभव किए बिना या निराशा के लक्षणों को प्रदर्शित किए बिना निराशा को सहन करने में सक्षम होना
- ❑ क्लाइंट की पहल की कमी और अनिच्छा काउंसलर को प्रभावित करती है, जिसके परिणामस्वरूप काउंसलर क्लाइंट को छोड़ देता है।
- ❑ क्लाइंट को सकारात्मक बदलाव करने में कुछ समय लगेगा

असलियत

- क्लाइंट की भलाई के बारे में परामर्शदाता की वास्तविक देखभाल और यह समझना कि क्लाइंट आपके पास क्यों आया है
- आत्म-जागरूकता: परामर्शदाताओं को अपनी शक्तियों और सीमाओं के बारे में पता होना चाहिए और वे अपनी भावनाओं को उचित रूप से प्रदर्शित कर सकते हैं

असलियत...

- क्लाइंट के साथ सहज होना - एक सुरक्षित वातावरण बनाएं जहां वे खुलने और बात करने के लिए पर्याप्त रूप से सहज महसूस करें
- परामर्शदाताओं को उन्हें यह एहसास कराने की जरूरत है कि उनकी परिस्थितियों के होते हुए भी उनके पास ताकत है।

बिना शर्त सकारात्मक संबंध

- देखभाल, पालन-पोषण और स्वीकृति- उस परिस्थिति में भी जब किसी अन्य व्यक्ति ने कुछ संदिग्ध किया हो
- अशाब्दिक व्यवहार जैसे मुस्कान, स्वर और चेहरे के भावों के माध्यम से गर्मजोशी प्रदान करना

बिना शर्त सकारात्मक संबंध...

- काउंसलर क्लाइंट से यह समझाने के लिए कह सकता है कि उन्होंने एक विशेष तरीके से व्यवहार क्यों किया

- व्यक्ति के कार्यों की निंदा करने के बजाय

पेशेवर जिम्मेदारी

- ग्राहक की स्थिति का सटीक आकलन आवश्यक है; अन्यथा, व्यक्ति को उचित उपचार नहीं मिल सकता है
- प्रामाणिक परिणामों के लिए केवल मानकीकृत, विश्वसनीय उपकरणों का उपयोग

पेशेवर जिम्मेदारी...

- क्लाइंट को सक्षमता की सीमाओं के भीतर लाभकारी सेवाएं प्रदान करें, और जब आवश्यक हो तो क्लाइंट को रेफर करें
- व्यक्तिगत तनाव को प्रबंधित करें और पर्याप्त सेवा प्रदान करें

काउंसलर का पर्यवेक्षण

- ❑ काउंसलर स्वयं में कई तरह की भावनाओं का अनुभव कर सकते हैं, जैसे सदमा, लाचारी, शोक, क्रोध आदि...
- ❑ उन्हें उनकी कमजोरियों, पूर्वाग्रहों, मूल्यों और सिद्धांतों से अवगत होना महत्वपूर्ण है
- ❑ सुनिश्चित करें कि यह किसी भी तरह से परामर्श प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं कर रहा है
- ❑ सलाहकारों को पर्यवेक्षक के साथ नियमित रूप से डीब्रीफिंग की आवश्यकता हो सकती है

स्थानान्तरण और प्रतिसंक्रमण (ट्रान्सफेरेन्स और काउंटर ट्रान्सफेरेन्स)

स्थानांतरण (ट्रांसफरेन्स)

- चिकित्सक के प्रति क्लाइंट की अवास्तविक और अक्सर अनुचित भावनाएं, विचार और व्यवहार।
- मूल रूप से क्लाइंट के जीवन में महत्वपूर्ण व्यक्तियों के प्रति दृष्टिकोण का एक अचेतन विस्थापन (अनकॉन्ससियस प्रोजेक्शन)
- क्लाइंट परामर्शदाता के प्रति मातृ/पिता वाली भावनाओं को भी रख सकते हैं। वे अच्छी या बुरी भावनाएँ हो सकती हैं।

स्थानान्तरण (ट्रांसफरेन्स) संकेतक

- ❑ चिकित्सक के प्रति क्लाइंट का रवैया अचानक बदल जाता है (गुस्सा, वश में, बहुत मिलनसार, अस्पष्ट, असामान्य रूप से बातूनी)
- ❑ क्लाइंट टिप्पणी करता है ("कोई मुझे नहीं समझता"; "मैं सभी को निराश करता हूँ")
- ❑ क्लाइंट चिकित्सक का सामना इस आरोप के साथ करता है कि "मुझे चिकित्सा से कुछ भी नहीं मिल रहा है"; "आप अपने अन्य क्लाइंट्स को अधिक पसंद करते हैं"

स्थानांतरण (ट्रांसफरेन्स) संकेतक...

- ❑ उबा होना , क्रोधित, अटका हुआ, उदासीन, विचलित
- ❑ यौन आकर्षण
- ❑ बचने वाला या डरने वाला
- ❑ चिकित्सा में प्रभावी कौशल/सलाह का पालन करने की कोशिश नहीं करना
- ❑ अपॉइंटमेंट को मिस कर देना , टाइमिंग का पालन नहीं करना।

संक्रमण (ट्रांसफरेन्स) को बढ़ाने वाले कारक

- ❑ ऐसी स्थितियाँ जिनमें व्यक्ति अपेक्षाकृत असहाय या भयभीत होता है, और जिन्हे एक सुरक्षात्मक संबंध की आवश्यकता होती है
- ❑ अपनी शारीरिक या मनोवैज्ञानिक सुरक्षा के बारे में ग्राहक की चिंता (उदाहरण के लिए जब बीमार और भयभीत हो)
- ❑ व्यक्तित्व: उनके मन की स्थिति, भावनाओं और जरूरतों को सही से व्यक्त कर पाने की कम क्षमता

प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स)

- प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स) काउंसलर के पिछले अनुभवों और व्यक्तिगत मुद्दों (ग्राहक के स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं सहित) के आधार पर उसके रिएक्शन और रिस्पांस की एक श्रृंखला को दिखाता है।
- प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स) होता है
 - जब एक चिकित्सक अपनी भावनाओं या इच्छाओं को अपने ग्राहकों पर पुनर्निर्देशित (रीडायरेक्ट)करता है

प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स)...

- प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स) होता है.....
- जब परामर्शदाता अपनी निष्पक्षता खो देता है
- ग्राहक की कहानी सुनकर अभिभूत, क्रोधित या उदास हो जाना ।
- उदाहरण के लिए, यदि मुक्किल अपने यौन शोषण के अनुभव से उत्पन्न होने वाले मुद्दों से निपट रही है, और परामर्शदाता भी एक दुर्व्यवहार का पीड़ित है।

प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स)...

- तब यह काफी संभावना है कि क्लाइंट के अनुभव परामर्शदाता में अपने स्वयं के साथ हुए दुर्व्यवहार के अनुभव से, अत्यधिक भावनाओं जैसे क्रोध और शर्मिंदगी को उत्पन्न करेंगे।
- ये भावनाएँ वस्तुनिष्ठता को प्रभावित कर सकती हैं और ग्राहक की मदद करने की क्षमता कम कर सकती हैं।

प्रतिसंक्रमण (काउंटर ट्रांसफरेन्स)...

चिकित्सक को जांच करनी चाहिए:

1. क्लाइंट के साथ पहचान करना, जब समानुभूति (एम्पथी) सहानुभूति बन गई हो।
2. कुछ आगे न बढ़ने के कारण चिढ़ना और अधीर होना
3. क्लाइंट के लिए एक मजबूत पसंद या नापसंद का विकास

धन्यवाद

Remy Lobo, Project Trainer
Sampurna Chakraborty, Project Manager
Kimneihas Vaiphei, Co – Principal Investigator
Project Stree Manoraksha, NIMHANS

